बिल्लियां नहीं करती सिर्फ म्याऊं-म्याऊं

बिल्ली एक मांसाहारी स्तनधारी जानवर है। इसकी सुनने तथा सुंघने की शक्ति प्रखर है और यह कम रोशनी, यहां तक की रात में भी देख सकती हैं। लगभग 9500 वर्षों से बिल्ली मनुष्य के साथी के रूप में है। प्राकृतिक रूप से इनका जीवनकाल लगभग 15 वर्षों का होता है। वर्तमान में इनकी जनसंख्या 60 करोड़ आंकी गई है। मानव घरों में पायी जाने वाली बिल्ली को मारवाड़ी भाषा में मिनकी तथा जंगली बिल्ली को बलारा कहा जाता हैं।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मानव सभ्यता की शुरुआत में जिन कारणों से कुत्तों को पालतू बनाया गया था लगभग उन्हीं कारणों से मनुष्यों ने अपने लाभ के लिए बिल्लियों को पालतू बनाया था। खेती के प्रारंभिक दिनों में लोगों को कई विभिन्न कारणों से नुकसान हो जाता था। चूहे उसकी फसलों को खा जाते थे और घरों की बहुत सारी चीजों को बरबाद कर देते थे।

चूहों के अलावा सांप, उल्लू और बिल्लियों जैसे प्राणी भी थे। इन प्राणियों में बिल्लियां सबसे ज्यादा मित्रवत थीं और उन्होंने मनुष्यों के साथ रहना शुरू कर दिया। कीड़े-मकोड़ों को नष्ट करने की क्षमता के कारण उन्हें मनुष्यों की रिहायशी बस्तियों में आसानी से शरण मिली।

- बिल्ली को करीब 10 हजार वर्ष पहले अफ्रीकी जंगली बिल्ली से पालतू बनाया गया था। यह शुरुआत मध्य-पूर्व में हुई थी और बाद में सारी दुनिया में फैल गई और बिल्ली एक बार घर में आई तो घरेलू बनकर रह गई। दुनिया की कुछ संस्कृतियों में इसे देवताओं की तरह पूजा जाता है तो कुछ में इन्हें बुराई का प्रतीक माना जाता है।
- इसी तरह से बिल्ली के नाखूनों का काटा जाना भी बहुत तकलीफदेह होता है। चूंकि भारत और अन्य देशों में नाखून काटे जाने को लेकर कोई नियम-कानून नहीं है और न ही जरूरी समझा जाता है कि बिल्ली के नाखूनों को काटने के लिए पशु चिकित्सक की मदद ली जाए।
- अमेरिका जैसे देशों में बिल्ली के नाखूनों को काटने के लिए सर्जरी की जाती है। पशु चिकित्सक बिल्ली की उंगली के आखिरी भाग को ही निकाल देता है। यह समझिए कि आपके नाखून काटने के लिए आपकी उंगलियों का पहला पोर ही काट दिया जाए।
- सड़कों पर होने वाली मौत बिल्लियों के कम होने का एक कारण है। ब्रिटेन में एक कानून है कि अगर आपके किसी कुत्ते या खेतों पर पाए जाने वाले पशु का एक्सीडेंट हो जाता है तो इसकी जानकारी आपको पुलिस को देना अनिवार्य होती है, लेकिन अगर कोई बिल्ली को कुचल देता है तो उसको पुलिस में सूचना देने की जरूरत नहीं होती है।
- क्या आप इस बात पर विश्वास करेंगे कि दूध पीना बिल्ली के स्वास्थ्य के लिए बहुत खराब होता है। सच तो यह है कि दूध में लैक्टोज होता है और ये लैक्टोज को पचा ही नहीं पाते हैं। बड़ा होते पर मनुष्यों की भांति बिल्लियों में भी लैक्टोज एंजाइम नहीं बनता है। इसी तरह बिल्लयों को दूध भली-भांति नहीं पचता है और इन्हें कभी भी दूध नहीं दिया जाना चाहिए।
- इनके बारे में आश्चर्यजनक बात यह है कि बिल्ली और चूहों में यह खास बात होती है कि वे रिहाइड्रेट करने के लिए समुद्र का पानी पी लेते हैं और इनकी किडनीज इन्हें ऐसा करने में सक्षम बनाती हैं।
- कुत्तों के बारे में ऐसी बहुत-सी कहानियां हैं कि उन्होंने अपने मालिक की जान बचाने के लिए बहादुरी के काम किए हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं जबकि बिल्लियों ने अपनी बुद्धि से अपने मालिक की जान बचाई है।
- बंगाल की बिल्ली हो या सवाना या फिर ऑस्ट्रेलिया की, हरेक की अपनी विशेषताएं हैं, परंतु आज जो बिल्लियां सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं वे सवाना बिल्लियां हैं।
- वर्ष 2012 में ह्यूमन सोसायटी के लोगों ने कुछेक घंटों पहले ही बिल्ली की जान बचाई थी। उसकी नई मालकिन को डायबिटीज का बड़ा प्रकोप हुआ था। बिल्ली ने उसे तब तक जगाए रखा जब तक कि महिला पर से दौरे का असर समाप्त नहीं हो गया था। बिल्ली ने जैसे ही समझा कि उसकी मालकिन की तबीयत खराब हो गई है और वह गिरकर बेहोश हो सकती है तो वह अपनी नई मालकिन की छातियों पर चढ़ दौड़ी। इतना ही नहीं, बिल्ली ने उसके चेहरे पर तब तक पंजे मारना और काटना नहीं छोड़ा जब तक कि महिला पूरी तरह से सचेत नहीं हो गई और उस पर मधुमेह के दौरे का असर समाप्त नहीं हो गया। इसके बाद बिल्ली उस महिला के लड़के के कमरे में गई और उसने उसे भी तब तक परेशान किया जब तक कि उसने मदद के लिए डॉक्टरों को नहीं बुलाया।

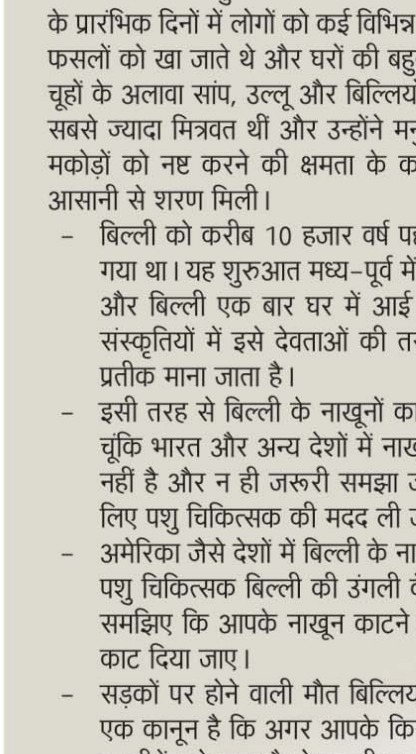

- हालांकि इसे आप कल्पना की उड़ान मान सकते हैं, लेकिन वर्ष 2008 की अर्जेंटीना की कहानी इससे भी ज्यादा अविश्वसनीय है। कहा जाता है कि यहां पुलिस को मिशिन्स शहर में एक वर्षीय बच्चा मिला था जिसे बिल्लियों के एक झुंड ने जिंदा बनाए रखा था। बच्चा अपने बेघर पिता से बिछुड़ गया था और अगर बिल्लियां उसकी मदद न करतीं तो वह मर ही जाता। ये बिल्लियां उसे सारी रात गर्म रखतीं और खाने के लिए थोड़ी-बहुत चीजें ला देती थीं। जब पुलिस ने बच्चे को खोजा और उसे बिल्लियों से बचाने की कोशिश की तो पुलिस को बिल्लियों के जबर्दस्त प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। आप इसे पूरी तरह मनगढ़ंत कहानी बता सकते हैं लेकिन कभी-कभी सच्चाई कल्पना से भी ज्यादा विचित्र होती है और इस बात से आप इंकार नहीं कर सकते हैं।
- कई मामलों में ये कुत्तों जैसी ही होती हैं और ऑस्ट्रेलिया में ऐसी बिल्लियों के पाले जाने पर रोक है। कहीं-कहीं बिल्लियां इतनी अधिक महंगी और लोकप्रिय हैं कि एक बिल्ली आपको 10 हजार डॉलर से भी अधिक की पड़ सकती है।
- गॉडफादर की बिल्ली को कौन नहीं जानता। गॉडफादर को फिल्म इतिहास की एक क्लासिक फिल्म माना जाता है और इस फिल्म की एक विशेषता यह है कि इस फिल्म में गॉडफादर को अपनी बिल्ली को सहलाते हुए देखा जा सकता है और यह दृश्य बताता है कि डॉन के पास जहां एक निर्मम ताकत है वहीं उसमें अपनी पालतू बिल्ली के तिए दया और करुणा का भाव भी है। शुरुआत में बिल्ली इस फिल्म की पटकथा का हिस्सा नहीं थी लेकिन जब एक बिल्ली भटकते हुए सेट पर आ गई थी तो मार्लन ब्रांडो ने इसे प्यार से थपकियां क्या दीं कि यह सिनेमाई इतिहास की एक खास पहचान बन गई।